कोटद्वार, रविवार
14 जुलाई 2024
वर्ष: 46
अंक: 80 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

बिहार में बिजली गिरने से 21 लोगों की मौत, झील में रील बनाने के चक्कर में 6 डूबे

रोहतास , । बिहार के रोहतास जिले में नदी के तेज बहाव में चले जाने से आधा दर्जन से अधिक लोग डूबने लगे। तुतला भवानी पहाड़ी के पास मौजूद झरने में कुछ लोग नहाने पहुंचे थे, इसी बीच वो पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गए। गनीमत रही कि समय रहते वन विभाग की टीम ने उन्हें सुरक्षित गहरे पानी से बाहर निकाल लिया। बता दें कि बिहार के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में 12 जिलों में 21 लोगों की मौत बिजली गिरने से हुई हैं।

वन विभाग की टीम के अनुसार आधा दर्जन से ज्यादा लोग झरने के नीचे नहा रहे थे। वो पानी में अपने साथियों के साथ हंसी–मजाक कर रहे थे। इसी बीच उन्होंने गहरे पानी में घुस कर अपने मोबाइल फोन से रील बनाना शुरू कर दिया। इसी दौरान पहाड़ पर तेज बारिश होने से झरना तेज बहने लगा और नदी में पानी का बहाव भी तेज हो गया। लोग यह देखकर डर गए और पानी के तेज बहाव में डूबने लगे।

इस घटना से लोगों में अफरा–तफरी मच गई और मदद के लिए चीख–पुकार शुरू हो गई। इसकी सूचना तुरंत वन विभाग की टीम को दी गई। सूचना मिलते ही वनकर्मी स्थानीय पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। वन विभाग की टीम ने नदी के पास मौजूद खंभों के दोनों ओर मजबूत रस्सी बांधी और इसकी मदद से लोगों को बाहर निकालना शुरू किया। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद सभी लोगों को पानी के तेज बहाव से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। डीएफओ मनीष कुमार वर्मा ने लोगों को ऐसी घटनाओं से सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान तेज बारिश में नदी और झरने में जाने से बचें, क्योंकि इससे जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने लोगों से झरने में नहाते समय रील नहीं बनाने की भी अपील की।

दो लाख का मोबाइल चोरी में एक गिरफ्तार

देहरादून। देहरादून में मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान से दो लाख कीमत के मोबाइल, स्पेयर पार्टस चोरी के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चारी का सामान बरामद हुआ। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि तुषार अग्रवाल ने तहरीर दी थी कि उसकी आरजीएम प्लाजा चकराता रोड स्थित दुकान किसी ने शटर तोड़ दिया था। चोर दुकान से पांच सेकंड हैंड मोबाइल फोन, स्पेयर पार्टस से भरा बैंग ले गए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आसपास क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की जांच की। इसमें एक युवक लाल स्कूटी में आता–जाता नजर आया। मोबाइल फोन का आईएमईआई नंबर उपलब्ध नहीं होने के कारण पुलिस मोबाइल फोन ट्रेस नहीं कर पाई। आखिरकार पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की जांच और मुखबिर की मदद से पीयूष वर्मा पुत्र अजय वर्मा निवासी पीएनटी कालोनी चुखूवाला देहरादून को कुमार चौक के समीप से गिरफ्तार किया।

उत्तराखंड का राज्य पर्व हरेला मंगलवार से शुरू होगा

देहरादून। उत्तराखंड का राज्य पर्व हरेला मंगलवार 16 जुलाई को शुरू होगा। हरेला लोकपर्व सावन के आने का संदेश है, जिसके पीछे फसल लहलहाने की कामना, बीजों का संरक्षण और बड़े–बुजुर्गों का आशीर्वाद है। एक जमाने में उत्तराखंड के गांवों से देश–विदेश में बसे लोगों को चिट्ठियों के जरिए हरेला के तिनकों को आशीष के तौर पर भेजा जाता था। गाजे–बाजे के साथ इस दिन पूरे पहाड़ में नई पौध भी लगाई जाती है। इस साल भी अनेकों संस्थाओं ने हरेला पर पौधरोपण के व्यापक कार्यक्रम तय किए हैं। ज्योतिषाचार्य डॉ.सुशांतराज के अनुसार, मूल रुप से उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में मनाए जाने वाले हरेला को गढ़वाल में भी खूब मनाया जाता है। इस दिन कान के पीछे हरेले के तिनके रखे लोग नजर आते हैं।

पुणे में तैनात 23 वर्षीय जवान की मौत

ऋषिकेश। पुणे में तैनात 17वीं गढ़वाल राइफल में तैनात खैरीखुर्द स्थित पांडे प्लॉट निवासी जवान हरेंद्र सिंह सजवाण की मौत हो गई। 23 वर्षीय जवान का शव शनिवार सुबह उनके घर लाया गया, जिसके बाद पूर्णानंद घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। हरेंद्र के पिता मकान सिंह सजवाण भी पूर्व फौजी हैं। हरेंद्र का एक 12 साल का बेटा और चार साल की बेटी है। 15 दिन पहले ही छुट्टी काटकर वापस तैनाती स्थल पुणे पहुंचा था, जिसके बाद परिवार के लोगों को उनकी मौत की सूचना मिली।

उत्तराखंड उपचुनाव में भाजपा का विजयरथ रूका

● कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में मिली हार का हिसाब किया बराबर

उत्तराखंड उपचुनाव में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। बदरीनाथ और मंगलौर दोनों ही सीट से भाजपा को हाथ धोना पड़ा है। बदरीनाथ सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला और मंगलौर सीट पर काजी मोहम्मद निजामुद्दीन ने जीत दर्ज की है। उत्तराखंड में उपचुनाव में भाजपा का विजय रथ रुक गया है। भाजपा पिछले दस साल से सत्ता में है और इस दौरान जितने भी उपचुनाव हुए भाजपा ने जीत दर्ज की। वहीं कांग्रेस ने पिछले दस साल में यह पहली जीत दर्ज की है। बदरीनाथ और मंगलौर का चुनावी समर भाजपा के विजय रथ की कड़ी परीक्षा था। चंपावत और बागेश्वर उपचुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में जीत से भाजपा के हौसले बुलंद थे,लेकिन उपचुनाव के नतीजों में बड़ा उलटफेर हो गया। प्रदेश में दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में मंगलौर सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी काजी निजामुद्दीन ने और बदरीनाथ सीट पर लखपत सिंह बुटोला ने जीत दर्ज की है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बदरीनाथ विस सीट पर कांग्रेस के हाथों शिकस्त मिली थी, लेकिन कांग्रेस की जीत की पटकथा लिखने वाले राजेंद्र भंडारी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा में शमिल हो गए थे। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने गढ़वाल संसदीय सीट पर बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस को 8254 वोटों से पीछे छोड़ा था, लेकिन भंडारी के भाजपा में आने के बाद पार्टी इससे भी बड़ी लीड की उम्मीद कर रही थी।

लोस चुनाव में मिली हार का हिसाब बराबर

बदरीनाथ सीट पर भाजपा ने भंडारी पर ही दांव लगाया। लेकिन मुकाबले में कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उपचुनाव में कांग्रेस ने लोस चुनाव में मिली हार का हिसाब बराबर कर दिया। मंगलौर विस सीट भाजपा ने कभी नहीं जीती। मुस्लिम और अनुसूचित जाति बहुल इस सीट पर बसपा और कांग्रेस का ही कब्जा रहा है। भाजपा ने इस सीट पर प्रत्याशी तो उतारे. लेकिन उसे कभी कामयाबी नहीं मिली। 2022 के चुनाव में पार्टी प्रत्याशी दिनेश सिंह पंवार को 18763 वोट मिले थे। लोकसभा चुनाव में हरिद्वार संसदीय सीट के अंतर्गत मंगलौर से भाजपा 21 हजार वोट हासिल किए। लेकिन जीत के लिए 30 से 40 हजार वोटों की दरकार है। भाजपा के लिए इतने वोट जुटाने के लिए खास रणनीति बनानी होगी।

कांग्रेसियों ने निकाला जलूस

चमोली : बदरीनाथ विधानसभा उप चुनाव पर जीत से उत्साहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार गैरसैंण नगर में जुलूस निकाला और एक दूसरे को गुलाल लगा कर जीत का जश्न मनाया। इस अवसर पर कांग्रेसी रामलीला मैदान में एकत्रित हुए तथा वाद्ययत्रों की थाप और पटाखे फोड़े और एक दूसरे को गुलाल लगा कर पूरे नगर में विजय रैली भी निकाली। इस अवसर पर पूर्व दर्जाधारी सुरेन्द्र बिष्ट ने कहा कि कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है जो पूरे क्षेत्र और देश का विकास कर सकती है।

जालंधर वेस्ट सीट पर फिर चला आप का झाड़ू

–मोहिंदर भगत ने 37,325 मतों से हासिल की बड़ी जीत

जालंधर , जालंधर उपचुनाव में आप के उम्मीदवार मोहिंदर भगत 37325 वोटों से जीत गए हैं। भाजपा दूसरे स्थान पर, कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही। मोहिंदर भगत को 55246 वोट मिले हैं।

वहीं, कांग्रेस के सुरिंदर कौर को 16757, भाजपा के शीतल अंगुराल 17921, अकाली दल से सुरजीत कौर को 1242 व बीएसपी के बिंदर कुमार को 734 वोट मिले।जालंधर वेस्ट विधानसभा सीट शीतल अंगुराल के इस्तीफा देने के बाद खाली हुई थी। भाजपा ने उन्हें उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया था।

मोहिंदर भगत की बड़ी जीत के बाद कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। 10 जुलाई को हुई वोटिंग में यहां 54.90त मतदान हुआ था। इस सीट की ख़ासियत यह है कि हर बार यहां से नई पार्टी चुनाव जीतती रही है।

अनंत–राधिका की शादी : दुल्हन की सोने के लहंगे में हुई विदाई, देखते रह गए बाराती

मुंबई ,अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की ग्रांड वेडिंग पूरी हो चुकी है और अब इस एंजॉयमेंट की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे है।

देश–विदेश की दिग्गज हस्तियों की मौजूदगी में अनंत–राधिका ने सात फेरे लिए।विदाई के समय राधिका मर्चेंट ने सोने की एंब्रॉइडरी वाला लंहगा पहना था, जिसे मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया है। शादी के बाद राधिका मर्चेंट को विदाई के बाद एंटीलिया लेकर आया गया है। एंटीलिया में नीता अंबानी और श्लोका मेहता ने राधिका का स्वागत किया और उन पर फूल बरसाए गए। इस दौरान स्वागत में मौजूद लोगों ने जय भैया, जय भाभी के नारे लगाए हैं।

मंच पर लाई गई गाय, लिया आर्शिवाद

अनंत–राधिका की शादी के लिए मंच पर कई पंडित मौजूद रहे। इस दौरान मंच पर गाय भी लाई गई थीं। अनंत राधिका ने फेरों के बाद सभी का आशीर्वाद लिया था।

सीएम केजरीवाल की सेहत पर संजय सिंह ने जताई चिंता

बोले– उनका वजन 8.5 किलो गिरा, ये गंभीर बीमारी का संकेत

नई दिल्ली ,आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने शनिवार को दावा किया कि भाजपा और उसकी केंद्र सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जिंदगी से खेल रही है, जिनका वजन जेल में रहने के दौरान 8.5 किलोग्राम कम हो गया है और रक्त में शर्करा का स्तर 50 मिलीग्राम/डीएल से नीचे पांच बार जा चुका है। सिंह के दावों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सिंह ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, उनकी स्वास्थ्य स्थिति ऐसी है कि अगर उन्हें जल्द जेल से बाहर नहीं लाया गया और इलाज नहीं किया गया तो उनके साथ कोई भी गंभीर घटना घट सकती है।

उन्होंने कहा कि जब 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, तब उनका वजन 70 किलोग्राम था, जो कम होकर 61.5 किलोग्राम रह गया है। सिंह ने दावा किया कि उनका वजन लगातार घटने का कारण अज्ञात है, क्योंकि कोई जांच नहीं हुई है। सिंह ने कहा कि वजन घटना किसी गंभीर बीमारी का संकेत है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल का परिवार, ह्यआपह्ल और उनके शुभचिंतक जेल में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर चिंतित हैं। सिंह ने आरोप लगाया, भाजपा और केंद्र की उसकी सरकार का मकसद उन्हें जेल में रखना और उनके जीवन से खेलना है। वे साजिश रच रहे हैं ताकि उन्हें कुछ गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़े। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी द्वारा दर्ज मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को शुक्रवार को अंतरिम जमानत दे दी थी।

लॉरी और एम्बुलेंस के बीच जोरदार टक्कर, मची चीख–पुकार; 6 लोगों की दर्दनाक मौत

घाटाल , । पश्चिम बंगाल में लॉरी और एम्बुलेंस की जोरदार टक्कर हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

एम्बुलेंस घाटाल से मरीजों को लेकर मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज आ रही थी तो लॉरी मेदिनीपुर दिशा से केशपुर की ओर जा रही थी। तभी पंचमी के पास बड़े पोल के पास हादसा हो गया। दोनों वाहन की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एम्बुलेंस सवार ज्यादा लोग हताहत हुए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एम्बुलेंस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दो महिलाओं समेत छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक एम्बुलेंस में सात और लॉरी में ड्राइवर समेत दो लोग सवार थे। पुलिस अधीक्षक धृतिमान सरकार ने घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया, सीमेंट से भरी एक लॉरी और केशपुर की एम्बुलेंस से टक्कर हो गई। छह लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों की समस्याओं का गंभीरता से निस्तारण करें : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत गठित राज्य स्तरीय सतर्कता और अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन 14 साल बाद किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस बैठक का आयोजन हर 06 माह में किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी बैठकों में एससी एवं एसटी आयोग के अध्यक्षों को भी विशेष सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों की समस्याओं का गंभीरता से निस्तारण किया जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश दिये कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अन्तर्गत लंबित मामलों का समयबद्धता से निस्तारण हो, इसके लिए न्यायालयों में नियमित पैरवी की जाय। शिकायतें प्राप्त होने पर एफआईआर की कार्यवाही तत्काल की जाए और पुलिस द्वारा विवेचना तेजी से की जाय।

अधिक समय से लंबित मामलों का मिशन मोड पर निस्तारण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाय की पीड़ितों को अनुमन्य सहायता राशि यथाशीघ्र मिल जाय। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ऐसी व्यवस्था की जाय कि 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर लाभार्थियों को वृद्धावस्था पेंशन लगाने की व्यवस्था का सरलीकरण किया जाए, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो। इसके लिए अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिस का भी अध्ययन किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि एससी एवं एसटी वर्ग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को एक ही प्लेटफार्म पर मिले, इसके लिए एकीकृत व्यवस्था बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ''अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, की जानकारी के लिए आमजन में समाज कल्याण विभाग और गृह विभाग द्वारा विभिन्न माध्यमों से व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोगों में कार्यों में तेजी लाने के लिए वरिष्ठ अथवा पी.सी.एस अधिकारियों की नियुक्ति की जाए।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला

जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल को दी दिल्ली के एलजी जैसी पावर

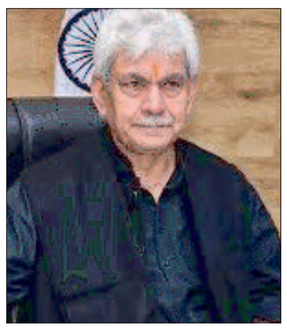

नई दिल्ली , जम्मू–कश्मीर में अब उपराज्यपाल की शक्तियां और ज्यादा बढ़ गई हैं। उन्हें अब दिल्ली के उपराज्यपाल जैसी शक्तियां दी गई हैं। इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम में संशोधन किया। इस संशोधन के बाद अब जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल दिल्ली के एलजी की तरह अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग जैसे फैसले कर पाएंगे।गृह मंत्रालय के फैसले के बाद अब जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल की प्रशासनिक भूमिका का दायरे बढ़ जाएगा। इस संशोधन के बाद उपराज्यपाल को अब पुलिस, कानून व्यवस्था, एआईएस से जुड़े मामलों में ज्यादा अधिकार होंगे। पहले, एआईएस से जुड़े मामलों (जिनमें वित्त विभाग की सहमति जरूरी होती थी) और उनके तबादलों और नियुक्तियों के लिए वित्त विभाग की मंजूरी जरूरी थी। लेकिन अब उपराज्यपाल को इन मामलों में भी ज्यादा अधिकार मिल गए हैं। इसके अलावा अब महाधिवक्ता, कानून अधिकारियों की नियुक्ति और मुकदमा चलाने की अनुमति देने या इनकार करने या अपील दायर करने से संबंधित प्रस्ताव पहले उपराज्यपाल के सामने रखे जाएंगे। गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 55 के तहत संशोधित नियमों को अधिसूचित किया। इसमें उपराज्यपाल की भूमिका को परिभाषित करने वाले नए खंड जोड़े गए हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि कानून के तहत उपराज्यपाल के विवेक का इस्तेमाल करने के लिए पुलिस, कानून व्यवस्था, एआईएस और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) से संबंधित किसी भी प्रस्ताव को वित्त विभाग की पूर्व सहमति की आवश्यकता नहीं होगी, बशर्ते कि प्रस्ताव को मुख्य सचिव के माध्यम से उपराज्यपाल के समक्ष रखा गया हो।

ओडिशा : तीर्थयात्रियों से भरी बस ने ट्रक को मारी टक्कर, तीन की मौत

ओडिशा ,ओडिशा के मयूरभंज जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। हैदराबाद से बिहार जा रही तीर्थयात्री बस दुर्घटना का शिकार हो गई। इस भयंकर हादसे में तीन लोगों की दुखद मौत हो गई, जबकि 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने इस घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में घायल सभी पीड़ितों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, बस 23 तीर्थयात्रियों को हैदराबाद से लेकर बिहार के गया के लिए रवाना हुई थी। शनिवार को तडके सुबह बस ओडिशा जिले के बारीपदा एनएच–18 हाईवे पर पहुंची। बेतनोटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बूढ़ीखमार चौक के पास एक ट्रक सडक किनारे खड़ी थी, जिसे तेज रफ्तार से आ रही टूरिस्ट बस ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि बस ट्रक के अंदर घुस गई और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस भीषण सडक हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में 2 पुरुष और एक महिला है। वहीं हादसा होते ही ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

यूएस राजदूत की धमकी के बाद एक्शन में आए एनएसए डोभाल

● अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार को घुमा दिया फोन

नई दिल्ली ,जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा से वापस लौटे हैं, तब से अमेरिका कुछ नाराज होता नजर आ रहा है। दरअसल, पीएम मोदी के रूस यात्रा से अमेरिका काफी नाराज है। भारत में तैनात अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी का धमकी भरा लहजा भारत को कतई पसंद नहीं आया है। वहीं, अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने भी चेताया था कि भारत का एक लंबे समय तक रूस पर भरोसा करना बिल्कुल सही नहीं है। दरअसल, गुरूवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में एरिक ने कहा था कि ह्यभारत–अमेरिका संबंध पहले से कहीं अधिक व्यापक और गहरे हैं, लेकिन ये इतने गहरे भी नहीं हैं कि इन्हें हल्के में लिया जाए। अमेरिकी राजनयिक के ये तीखे शब्द प्रधानमंत्री मोदी के रूस और ऑस्ट्रिया की दो देशों की यात्रा समाप्त करने के बाद दिल्ली पहुंचने के कुछ ही घंटों बाद आई थी। हालांकि, अब भारत ने भी इस तीखे बोल पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की। भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को जैक सुलिवन के साथ फोन पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों के बीच हुई बातचीत की जानकारी देते हुए बताया कि डोभाल और सुलिवन के बीच शांति और सुरक्षा की दिशा में वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर बातचीत हुई। इसके अलावा भारत और अमेरिका के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के सामूहिक काम करने की जरूरत को भी दोहराया। दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत–अमेरिका के संबंधों पर भी खुलकर बातचीत की। साथ ही आपसी सहमति के साथ काम करने की दिशा पर भी चर्चा की जो सामान्य रणनीतिक और सुरक्षा हितों पर बने हैं। दोनों के बीच द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर भी बातचीत हुई।

बाढ़ ने बुझाया 50 घरों का चूल्हा, भूखे प्यासे सफाई करते रहे लोग

● आंखों से छलक रहा आपदा का दर्द

हल्द्वानी। कलसिया की बाढ़ के पानी ने नाले के किनारे रहने वाले 50 परिवारों का चूल्हा ही बुझा दिया। आलम यह रहा कि लोग भूखे–प्यास लोग घरों की सफाई करते दिखे।बच्चे भी अभिभावकों के साथ काम के लिए जूझ रहे थे। आपदा का दर्द आंखें से छलक रहा था। नाले के किनारे रहने वाले बल्ली व राधा देवी ने बताया कि गुरुवार की रात वह परिवार के साथ घर के अंदर खाना खाने की तैयारी कर ही रहे थे कि इस बीच नाला उफान पर आ गया।बाढ़ का पानी घर के अंदर घुस गया। बर्तन पानी में तैरने लगे। वह अपनी व बच्चों–बूढ़ों की जान बचाने के लिए भागे। उनका कहना है कि वह गरीब हैं। इसलिए दूसरी जगह पर जमीन नहीं खरीद सकते। उनके पास पैसा होता तो कहीं ओर जाकर रह लेते। जिस मकान में 30–40 वर्षों से रहते हैं, उन्हें अब कैसे छोड़ सकते हैं। हां, जब पुलिस आकर कहती है कि घर खाली करो तो चले जाते हैं। वहीं, मो. नदीम का कहना है कि बाढ़ का पानी उनके घर की छत के ऊपर से बहने लगा था। मलबा अंदर भर गया। मीना कुमार तो कहने लगीं कि जब नाले के बचाव के उपाय किए जाने चाहिए थे, तब नेता वोट मांगने में व्यस्त थे। अब उन्हें देखने तक के लिए नहीं आते हैं। एक नेता आए और आश्वासन देकर गए हैं। गुरुवार को जिन घरों में मलबा भरा। शुक्रवार को वहां चूल्हा नहीं जला। लोग की साफ–सफाई में लगे रहे। प्रशासन चाहता तो घरों में घुसे मलबा व पानी को बाहर निकालने में मदद कर सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मैं घर के बाहर निकली और बहकर नाले के किनारे पहुंच गई

64 वर्ष की माया बिष्ट का कहना है कि वह 50 साल से नाले से दूर रहती हैं। गुरुवार को उनके घर के अंदर भी पानी घुस गया। जब तक वह कुछ समझ पातीं, घर डूबने लगा था। जैसे ही बाहर आईं, एक ड्रम बहने लगा। उसे पकड़ने के चक्कर में वह भी नाले की तरफ बहकर चली गईं। जैसे–तैसे जान बचाई। उनका कहना है कि पानी पिछले साल भी घर में घुस गया था। उनका कहना है कि गुरुवार की रात से कुछ नहीं खाया। शुक्रवार की दोपहर बेटा बाजार से रोटी खरीदकर लाया।

पीसीएस प्री परीक्षा की तैयारी पूरी, 17 केंद्रों पर आज होगी परीक्षा

विकासनगर। पीसीएस–प्री परीक्षा के लिए पछुवादन में प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। शनिवार को एसडीएम और सीओ ने केंद्र व्यवस्थापकों और सेक्टर मजिस्ट्रेट की बैठक लेकर परीक्षा नकलविहीन कराने के निर्देश दिए। परीक्षा पूरी तरह सीसीटीवी कैमरे की नजर में होगी। लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने परीक्षार्थियों की सुविधा संबंधी भी निर्देश जारी किए हैं। रविवार को पीसीएस–प्री परीक्षा होगी। पछुवादून में कुल 17 परीक्षा केंद्र पर दो पालियों में होने वाली परीक्षा के लिए करीब छह हजार परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा नकल विहीन कराने के लिए एसडीएम विनोद कुमार और सीओ भाष्कर लाल साह ने अधिकारियों और केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों में व्यवस्थापक को छोड़कर ड्यूटी करने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों को मोबाइल रखना प्रतिबंधित होगा। अगर किसी कर्मचारी के पास मोबाइल पाया गया तो केंद्र व्यवस्थापक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नकारात्मक राजनीति वाले मनाएंगे संविधान हत्या दिवस, इसमें आश्चर्य कैसा : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली , 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाने के केंद्र सरकार के फैसले पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने निशाना साधा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा, भारत की महान जनता ने ऐतिहासिक लड़ाई लडक़र अपनी आजादी और अपना संविधान हासिल किया है। जिन्होंने संविधान को बनाया, जिनकी संविधान में आस्था है, वे ही संविधान की रक्षा करेंगे। जिन्होंने संविधान लागू होने का विरोध किया, संविधान की समीक्षा करने के लिए आयोग बनाया, संविधान खत्म करने का आह्वान किया, अपने फैसलों और कृत्यों से बार–बार संविधान और लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार किया, वे नकारात्मक राजनीति वाले संविधान हत्या दिवस मनाएंगे ही, इसमें आश्चर्य कैसा?

सतर्कता बेहद जरूरी तभी देश आगे बढेगा

देश के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चन्द्रचूड़ ने बाजार नियामक सेबी और सैट को शेयर बाजारों में उल्लेखनीय उछालों के बीच सावधानी बरतने की सलाह दी।

अधिक न्यायाधिकरण पीठों की वकालत करते हुए स्थिर नींव सुनिश्चत करने की बात भी उन्होंने बात कही। सीजेआई मुंबई में नये प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण यानी सैट परिसर का उद्घाटन भाषण कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों से सैट की नई पीठें खोलने का अग्रह भी किया क्योंकि अब अधिक मात्रा में लेन–देन और नये नियमों के कारण कार्यभार बढ गया है। उनके अनुसार, शेयर बाजार में जितनी तेजी देखी जाएगी, सेबी और सैट की भूमिका उतनी ही अधिक होगी।सेबी और सैट जैसे संस्थानों को बढ़ावा देने के पीछे उन्होंने अत्यधिक राष्ट्रीय महत्त्व बताया। प्रधान न्यायाधीश जिस वक्त यह सुझाव दे रहे थे, ऐन उसी समय बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही थी और बीएसई सेंसेक्स नये शिखर यानी अस्सी हजार को पार कर रहा था। यह अपने आपमें रिकार्ड शिखर है।

शेयर बाजार और निवेश को लेकर युवाओं में गजब का उत्साह देखने में आ रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई के अनुसार इस वर्ष जनवरी तक निवेशकों की संख्या 87 मिलियन तक पहुंच चुकी थी।

महामारी के बाद से इन नये निवेशकों के बढ़ते रुझान को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि उन्हें भ्रम है कि इससे हर स्थिति में मुनाफा होता रहेगा। भारतीय कंपनियों का मुनाफा अच्छा होने के बावजूद यह कभी भी लुढक़ सकता है।

कई बार अचानक किसी आर्थिक गड़बड़ी के चलते घरेलू बाजार अप्रत्याशित रूप से धड़ाम भी हो जाता है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय बाजारों का भी इस पर सीधा असर होता है। शेयर बाजार में होने वाले घोटाले और हेराफेरी पर कड़ी नजर रखी जाने के बावजूद आनन–फानन भारी मुनाफा कमाने के लोभ से मुकरा नहीं जा सकता। ऐसे में सेबी और सैट की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। खासकर छोटे निवेशकों के भरोसे को ये अप्रत्यक्ष तौर पर बढ़ाने का काम करती हैं। देश तभी आगे बढेगा, जब वह आर्थिक रूप से समृद्ध होता रहेगा और लोगों का विश्वास बढ़ता रहेगा जिसके लिए सावधानी बेहद जरूरी है।

भक्तों की श्रद्धा में कमी नहीं

हरिशंकर व्यास

नई सदी के पहले 25 साल में जब दुनिया अंतरिक्ष में बस्ती बसाने के प्रयास में लगी है, पशुओं के शरीर में अलग अलग अंग विकसित कर रही, ताकि उसे इंसानों के शरीर में इस्तेमाल किया जा सके, जीन बदल कर सुपर ह्यूमन बनाने की कोशिश है, और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए इंसानों को रिप्लेस करने का काम हो रहा है तो ऐसे वक्त भारत में सैकड़ों, हजारों की संख्या में उन बाबाओं का उदय और अस्त हुआ है, जो अपने आसन पर बैठे बैठे पूरा ब्राह्मंड देख लेते हैं और चुटकियों में इंसानों की समस्याओं का समाधान कर देते हैं।

इन्हें बीमार लोगों का इलाज करने के लिए किसी दवा की जरुरत नहीं है और न बीमारी का पता लगाने के लिए किसी तकनीकी उपकरण की जरुरत है। वे अंतर्यामी होते हैं और उनके पास ऐसी अद्भुत शक्तियां हैं कि वे भक्तों के सारे कष्ट दूर कर सकते हैं। ऐसे अनेक बाबा हर साल भक्तों के शोषण के आरोप में या किसी अन्य अपराध के आरोप में पकड़े जाते हैं लेकिन भक्तों की श्रद्धा में कमी नहीं आती है। वे जेल में बंद बाबाओं के भी भक्त बने रहते हैं या कोई नया बाबा खोज लेते हैं।

समय के साथ बाबाओं के स्टॉक सूचकांक में उतार चढ़ाव जैसा होता है। जैसे एक समय निर्मल बाबा का जलवा था। लोग हजारों रुपए की टिकट लेकर उनके कार्यक्रम में शामिल होते थे। अपनी समस्या लेकर पहुंचे भक्तों को वे बताते थे कि उनकी कृपा कहां रूकी है। समोसे के साथ लाल चटनी खाने वाले को उन्होंने कहा कि हरी चटनी खाए तो कृपा आने लगेगी, सफेद रूमाल रखने वाले को कहा कि लाल रूमाल रखे तो कृपा आएगी, बाईं जेब में रूमाल रखने वालों को कहा कि दाहिनी जेब में रखे तो कृपा आएगी। बाबा के ऊपर कुछ फॉड के आरोप लगे तो उसके बाद से उनका बाजार काफी डाउन हो गया है। निर्मल बाबा के लगभग साथ ही राधे मां धूमकेतु की तरह उभरीं थीं। वे नाच गाकर भक्तों के कष्ट दूर करती थीं। आरोपों में घिरने के बाद उनका भी बाजार खराब हो गया।

आसाराम बापू का डाउनफॉल सबसे बड़ी घटना थी लेकिन उसके बाद ही छोटे छोटे दर्जनों बाबाओं के लिए रास्ते खुले। आसाराम के देश भर में करोड़ों भक्त थे। वे भी नाचते गाते थे। रास रचाते थे। फूलों की बारिश करते थे। फिलहाल आसाराम बापू और उनके बेटे नारायण साई भक्तों के यौन शोषण और हत्या के मामले में जेल में बंद हैं। वे अपने लिए कोई चमत्कार नहीं कर पाए। उनके भक्तों की संख्या अब काफी कम रह गई है। अब उनके पास वही कट्टर भक्त बचे हैं, जो मानते हैं कि यह सब उनकी अपनी लीला है और किसी बड़े उद्देश्य के लिए वे जेल में बंद हैं।

तर्क यह है कि आखिर भारत में अनके भगवानों ने धरती पर परीक्षा दी है और कष्ट झेले हैं।

नयी सरकार के पहले बजट से उम्मीदें

डॉ पीएस

बजट एक रोडमैप है, जिसके अनुसार सरकार अर्थव्यवस्था को संचालित करती है। दो–तीन दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े बुनियादी बदलाव हुए हैं और आज वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत छवि है। वैश्वीकरण के इस युग में भारत के लिए अटूट आर्थिक संभावनाएं इसलिए भी लगातार बनी हुई है क्योंकि भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है। हालांकि घरेलू मोर्चे पर इस कारण बेरोजगारी की एक अनवरत समस्या भी है, फिर भी लगातार बढ़ती आर्थिक विकास दर विश्व को आकर्षित करने में सक्षम बनी हुई है। इस बात का श्रेय मोदी सरकार को जाता है कि उसके नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था जीडीपी के पैमाने पर तेज प्रगति करते हुए वैश्विक दौड़ में पांचवें पायदान पर पहुंची है। विश्व के सभी बड़े आर्थिक संस्थान व रेटिंग एजेंसियां आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था को सात ट्रिलियन डॉलर के मुकाम पर पहुंचते हुए देख रही हैं। तब जापान और जर्मनी भारत से पीछे रह जायेंगे। अगर मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल की आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करें, तो हम पाते हैं कि सरकार का रुख पूंजीगत खर्चों पर बहुत अधिक एकाग्र और सकारात्मक है।

सभी की निगाहें तीसरी मोदी सरकार द्वारा लाये जा रहे केंद्रीय बजट पर है। ऐसे कयास लगाये जा रहे हैं कि क्या आगामी बजट में एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की एकतरफा छाप दिखेगी या गठबंधन की राजनीति का दबाव भी होगा। कयासों का रुख ज्यादातर इस तरफ है कि सरकार निश्चित तौर पर बजट के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास को उसी पथ पर और तेजी से बढ़ाने की कोशिश करेगी, जो उसने पिछले दस वर्षों में स्थापित किया है। बजट के माध्यम से सरकारें वित्तीय वर्ष के दौरान देश के आर्थिक विकास को विभिन्न आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तावित करने की कोशिश करती हैं।

इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है क्योंकि बजट एक रोडमैप है, जिसके अनुसार सरकार अर्थव्यवस्था को संचालित करती है। दो–तीन दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े बुनियादी बदलाव हुए हैं और आज वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत छवि है। वैश्वीकरण के इस युग में भारत के लिए अटूट आर्थिक संभावनाएं इसलिए भी लगातार बनी हुई है क्योंकि भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला मुल्क है। हालांकि घरेलू मोर्चे पर इस कारण बेरोजगारी की एक अनवरत समस्या भी है, फिर भी लगातार बढ़ती आर्थिक विकास दर विश्व को आकर्षित करने में सक्षम बनी हुई है।

इस बात का श्रेय मोदी सरकार को जाता है कि उसके नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था जीडीपी के पैमाने पर तेज प्रगति करते हुए वैश्विक दौड़ में पांचवें पायदान पर पहुंची है। विश्व के सभी बड़े आर्थिक संस्थान व रेटिंग एजेंसियां आने वाले कुछ वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था को सात ट्रिलियन डॉलर के मुकाम पर पहुंचते हुए देख रही हैं। तब जापान और जर्मनी भारत से पीछे रह जायेंगे। अगर मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल की आर्थिक नीतियों का विश्लेषण करें, तो हम पाते हैं कि सरकार का रुख पूंजीगत खर्चों पर बहुत अधिक एकाग्र और सकारात्मक है। आंकड़ों के हिसाब से

मनमोहन सिंह सरकार अपने आखिरी दौर में पूंजीगत खर्चों पर बजट का करीब 12 प्रतिशत खर्च कर रही थी, जिसे मोदी सरकार बड़ी तेजी से बढ़ाते हुए 22 प्रतिशत से अधिक कर चुकी है। वित्त वर्ष 2023–24 में आधारभूत सुविधाओं पर हुआ वास्तविक खर्च 18। 6 प्रतिशत है और बाकी बचा 3। 6 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न राज्यों, सार्वजनिक उपक्रमों को वित्तीय ऋण के तौर पर आवंटित किया गया है। इस खर्च के चलते ही अर्थव्यवस्था में तेजी आयी और निजी निवेश का प्रतिशत भी लगातार बढ़ा। इससे जीडीपी की लगातार वृद्धि होती रही है।

यह भी एक हकीकत है कि भारत में युवाओं में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी है। रोजगार में बढ़ोतरी हो रही है, पर अवसरों की संख्या उतनी नहीं हो पा रही है कि इस समस्या का ठीक से समाधान हो सके। मोदी सरकार को इस बार आम चुनाव में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने का यह एक प्रमुख कारण माना जा रहा है। बजट में इस संदर्भ में प्रावधान होने चाहिए। यह स्थिति भी चिंताजनक है कि निजी क्षेत्र निवेश के बदले सरकार से बहुत अधिक अपेक्षाएं रखता है। उसे निवेश के बदले करों में छूट और वित्तीय सुविधा चाहिए। अब भारतीय अर्थव्यवस्था नब्बे के दशक के उस दौर में नहीं है, जब निजी क्षेत्र की मनमानी बहुत अपेक्षित थी। फिर भी पिछले कई बजट में यह देखा जा सकता है कि सरकारें निजी क्षेत्र को आकर्षित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती हैं। इसके चलते सरकार का पूर्ण ध्यान ग्रामीण अर्थव्यवस्था, छोटे उपभोक्ता, आम आदमी की बचत, बैंकिंग निवेश पर अधिक ब्याज दर और दिन–प्रतिदिन के उपभोग में आने वाली वस्तुओं के मूल्य में बढ़ोतरी जैसे मसलों पर समुचित रूप में नहीं जा पाता।

यह भी बड़ी अजीब बात है कि आंकड़ों के माध्यम से इस बात को समझाने की कोशिश होती है कि आयकर की दरों में कमी या आयकर की सीमा में बदलाव देश के मात्र एक या दो प्रतिशत लोगों को ही प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित करता है। कई विश्लेषक कहते हैं कि आयकर दरों में बदलाव से समाज के निचले तबके को फायदा नहीं होता है तथा सरकार के राजस्व में भी कमी आ जाती है। आम उपभोग में आने वाली वस्तुओं पर अमूमन 12 और 18 प्रतिशत जीएसटी है, जो आम जन की जेब पर आर्थिक बोझ डालती है। मसलन, एक रेस्टोरेंट में खाना खाने पर राज्य और केंद्र सरकार की जीएसटी दोनों का भुगतान करना पड़ता है, जिससे खर्च 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

यह भी देखना है कि आगामी बजट पर प्रधानमंत्री मोदी के उस कथन की छाप होगी या नहीं, जिसमें उन्होंने चीजों को मुफ्त बांटने की नीतियों की तुलना रेवड़ियों से की थी। वर्तमान सरकार गठबंधन की सरकार है। आने वाले महीनों में कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। अनेक क्षेत्रीय दलों का मानना है कि जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में चीजें मुहैया कराना उनके सामाजिक विकास के लिए जरूरी है। ऐसे दलों ने अपनी सरकारों की नीतियों में इस समझ को शामिल किया है। कुछ राज्यों द्वारा उन्हें विशेष राज्य के दर्जे या विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की जा रही है। सरकार बजट में ऐसी मांगों को कैसे नियोजित करती है, यह भी आकर्षण का एक मुख्य बिंदु होगा।

शाकाहारी आदिवासी हैं कर्नाटक के बेडगंपना

सुरेश पी अंगलानी

कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुका का मले महादेश्वर पहाड़ी क्षेत्र अपने जीवंत सांस्कृतिक परिदृश्य से समृद्ध है। इसके केंद्र में दो आदिवासी समुदाय हैं– बेडगंपना और सोलिगा। सोलिगा को अनुसूचित जनजाति के रूप में पहचाना जाता है, पर उनके करीबी पड़ोसी बेडगंपना अभी भी अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार कर्नाटक के चामराजनगर जिले में लगभग 31,500 बेडगंपना रहते हैं और कुछ तमिलनाडु के सीमावर्ती इलाकों में भी हैं। राज्य सरकार की सामाजिक श्रेणी की सूची में बेडगंपना नहीं है। इस आदिवासी समुदाय को वीरशैव लिंगायत के साथ विलीन किया गया है, जिसे राज्य की पिछड़ी समुदाय सूची में रखा गया है। शब्द 'बेड' शिकारी को संदर्भित करता है, जबकि 'गम' समूह और 'पना' जाति को इंगित करता है। इस प्रकार 'बेडगंपना' का अर्थ है 'शिकार करने वाला जाति समूह'। बेडा, बेडार या बेदारा जैसे समान आदिवासी समूहों को जनजातियों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। पर बेडगंपना किसी जाति या जनजाति की सूची में नहीं है। आदिवासियों का इतिहास प्रमुख रूप से मौखिक है और अधिकांश मामलों में उनका दस्तावेजीकरण नहीं किया गया है। यह बात बेडगंपना पर भी लागू होती है। बेडगंपना से जुड़ी एक प्रमुख मौखिक कहानी बेडर कणप्पा नामक शिकारी से जुड़ी है, जिसे अर्जुन का पुनर्जन्म कहा जाता है। महाभारत में उल्लेख है कि अर्जुन की भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पाशुपात अस्त्र प्रदान किया। उन्होंने उन्हें कलियुग में बेडर कणप्पा नामक एक शिकारी के रूप में पुनर्जन्म लेने का आशीर्वाद भी दिया, जिसे बेडगंपना का पूर्वज कहा जाता है। शैव भक्त शिकारी बेडर कणप्पा का मंदिर आंध्र प्रदेश के श्रीकालहस्ती में स्थित है। इस संदर्भ में यह महत्वपूर्ण है कि इतिहास के अनुसार लगभग 600 वर्ष पूर्व बेडगंपना के पूर्वज श्रीकालहस्ती में रहते थे, जो बाद में एक शाही विवाह के कारण कर्नाटक चले गये। माना जाता है कि 14वीं शताब्दी में मले महादेश्वर स्वामी, जिन्हें महादेश्वर बेट्टा की सात पहाड़ियों का रक्षक कहा जाता है, लोगों को अकाल से बचाने के लिए इस स्थान पर पहुंचे। उनके दो भक्त थे, जो भाई थे– करय्या और बिलय्या। जहां करय्या को सोलिगा का महान पूर्वज कहा जाता है, उसी तरह बिलय्या बेडगंपना के पूर्वज माने जाते हैं। मले महादेश्वर स्वामी ने उन्हें शिकार छोड़ने की सलाह दी। बिलय्या का परिवार इस पर सहमत हो गया, लेकिन चूंकि यह क्षेत्र मुख्यतः पहाड़ी है और कृषि करना कठिन है, इसलिए करय्या के परिवार ने शिकार को अपना मुख्य व्यवसाय बनाये रखने का फैसला किया। इस कारण सोलिगा और बेडगंपना के बीच कोई विवाह संबंध नहीं है। बेडगंपना ने खुद को 'बेडगंपना लिंगायत' के रूप में संदर्भित किया, जिसे हमेशा 'वीरशैव लिंगायत' के साथ मिला दिया जाता है।

बेडगंपना मुख्य रूप से तीन विशेष कारणों से जनजाति होने का अधिकार खो देते हैं– उनके बीच कोई सामाजिक–धार्मिक/सांस्कृतिक असमानता/अस्पृश्यता नहीं देखी जाती है, जनजाति होने के नाते वे शाकाहारी नहीं हो सकते हैं और वे शिवलिंग पहनते हैं एवं लिंगायतों के रीति–रिवाजों का पालन करते हैं। शाकाहारी होने और शिवलिंग पहनने के कारणों की पहले चर्चा की गयी है। असमानता या अस्पृश्यता का पालन जनजातियों को संदर्भित करने का मानदंड नहीं है। देश के किसी भी आदिवासी समुदाय में अस्पृश्यता नहीं है। अस्पृश्यता का मामला अनुसूचित जातियों से संबंधित है। यद्यपि संविधान में जनजातियों की कोई विशेष परिभाषा नहीं है, पर अनुच्छेद 342 अनुसूचित जनजातियों यानी 'बहिष्कृत' और 'आंशिक रूप से बहिष्कृत' क्षेत्रों में रहने वाली 'पिछड़ी जनजातियों' को समझने के लिए 1931 की जनगणना को आधार के रूप में स्वीकार करता है। इसके अलावा, उन्हें पहली बार प्रांतीय विधानसभाओं में भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत प्रतिनिधित्व दिया गया था।

सरकार के शीर्ष स्तर पर जवाबदेही तय हो

अजीत द्विवेदी

मानसून की पहली बारिश में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल एक की पार्किंग एरिया में कैनोपी यानी छत गिर गई। इस हादसे में आठ गाडियां दब गईं। इनमें से एक गाड़ी टैक्सी थी, जिसमें ड्राइवर बैठा हुआ था और छत गिरने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दिल्ली हवाईअड्डे के साथ ही मध्य प्रदेश के जबलपुर और गुजरात के राजकोट हवाईअड्डे पर भी बिल्कुल इसी तरह की घटनाएं हुईं। जिस समय एक के बाद एक ये तीन घटनाएं हुईं उसी समय बिहार में पुल गिरने की खबरें आ रही थीं। एक पखवाड़े में कोई एक दर्जन पुल गिर गए। ज्यादातर पुल पुराने थे लेकिन कम से कम दो पुल ऐसे थे, जो अभी बन ही रहे थे। यानी निर्माणाधीन पुल गिर गए।

उसी समय या उससे थोड़ा पहले यह खबर आई थी कि मुंबई के जिस अटल सेतु का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव की घोषणा से पहले उद्घाटन किया था उसमें दरारें आ गई हैं। हालांकि बाद में कहा गया कि दरार पुल पर नहीं, बल्कि एप्रोच रोड पर आई है। यह ऐसी सफाई थी, जिसमें पूरी व्यवस्था को बचाने का प्रयास साफ दिख रहा था। इससे कुछ ही दिन पहले पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में कंचनजंघा एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर हो गई, जिसमें पांच लोग मारे गए। यह बिल्कुल उसी तरह का हादसा था, जैसा पिछले साल बालासोर में हुआ था, जिसमें करीब तीन सौ लोगों की जान गई थी। दोनों दुर्घटनाओं के समय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ही थे। ऐसी दुर्घटनाओं के समय मीडिया में यह बताने का प्रचलन रहा है कि कैसे एक ट्रेन दुर्घटना हुई थी तो तत्कालीन रेल मंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने इस्तीफा दे दिया था। यह भी बताया जाता है कि नीतीश कुमार ने भी एक हादसे के बाद रेल मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। लेकिन अब तो नीतीश कुमार इस्तीफा नहीं देते! उनके राज्य में पिछले एक पखवाड़े में एक दर्जन पुल गिरे हैं। दो निर्माणाधीन पुल गिरे हैं। कुछ समय पहले 17 सौ करोड़ रुपए की लागत से गंगा नदी पर बन रहा पुल गिर गया था। उससे थोड़े दिन पहले गंडक नदी पर बना 264 करोड़ रुपए का पुल गिर गया था। उनके राज्य में शराबबंदी है और सैकड़ों लोग नकली शराब पीकर मर गए। लेकिन ऐसी किसी घटना के बाद नीतीश कुमार का इस्तीफा नहीं हुआ और न उन्होंने आगे आकर जवाबदेही स्वीकार की। यही हाल हवाईअड्डों की छत गिरने में है, यही हाल रेल दुर्घटनाओं में है और यही हाल बारिश में सड़कों के धंसने, पहाड़ टूटने, जंगलों में आग लगने जैसी घटनाओं में भी है। किसी भी हादसे में शासकीय या प्रशासकीय जवाबदेही नहीं तय की जा रही है। ऐसा लग रहा है, जैसे देश की शासन व्यवस्था जवाबदेही के सिद्धांत से ऊपर उठ गई है। हम सामूहिक उत्तरदायित्व के दौर से आगे किसी और दौर में रह रहे हैं! ऐसा लग रहा है, जैसे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों के साथ साथ केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी हर तरह की जवाबदेही से मुक्त हो गए हैं। वे अपने किए गए किसी भी काम के प्रति उतरदायी नहीं हैं। यह भी लग रहा है कि देश की आम जनता की जान की कीमत कुछ भी नहीं रह गई है। वह हवाईअड्डे की पार्किंग में छत गिर जाने से मर जाता है या सत्संग की भीड़ में कुचल कर मर जाता है और किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता है।

आम इंसान सिर्फ एक भीड़ का हिस्सा बन कर गया है, जिसका इस्तेमाल चुनाव के समय वोट लेने और उसके बाद पांच साल तक दर्जनों किस्म के टैक्स वसूलने के लिए किया जाता है। इसके बाद न तो कोई उसकी जिंदगी की लिए जवाबदेह है और न उसकी मौत के लिए उत्तरदायी है! यह दुखद स्थिति है और किसी भी सभ्य और जीवंत लोकतंत्र के माथे पर गहरा काला धब्बा है। आखिर हवाईअड्डे की छत गिरने का हादसा हो या पुल गिरने की घटना हो या ट्रेन दुर्घटना हो, ये सारी घटनाएं तो प्रशासकीय विफलता की वजह से ही हुईं! फिर इसके लिए किसी को जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराया जाना चाहिए? क्या इसके लिए बिल्कुल शीर्ष स्तर से लोगों का इस्तीफा नहीं होना चाहिए? इन घटनाओं का यह कह कर बचाव किया जा रहा है कि दिल्ली हवाईअड्डे की जो छत गिरी वह 2009 में बनी थी, जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार थी या बिहार में जो पुल गिरे हैं वो 40 साल पुराने थे या ट्रेन दुर्घटना स्टेशन मास्टर या किसी अन्य रेलवे कर्मचारी की गलती से हुई। यह भी कहा जा रहा है कि इतना बड़ा देश है और इतना विशाल बुनियादी ढांचा है तो कहीं न कहीं दुर्घटना होती रहेगी। अगर इसके लिए मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों के इस्तीफे होने लगें तो फिर कोई नहीं बचेगा।

जान्हवी कपूर की उलझ के नए पोस्टर ने बढ़ाया प्रशंसकों का उत्साह, अजय देवगन को टक्कर देने के लिए तैयार अभिनेत्री

जान्हवी कपूर की आगामी जासूसी थ्रिलर ह्यउलझह्णको लेकर प्रशंसक काफी ज्यादा उत्साहित हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर के साथ गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यू, राजेश तैलंग, मियांग चांग, सचिन खेडेकर, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। वहीं, अब जान्हवी ने प्रशंसकों को एक और बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म के नए पोस्टर के साथ अभिनेत्री ने इसकी रिलीज डेट को वापस से टीज किया है।

जान्हवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से जुड़े दो पोस्टर साझा किए हैं। वहीं, उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हर चेहरा एक कहानी कहता है और हर कहानी एक जाल है। इस उलझ को सुलझाओ। 2 अगस्त से आपके नजदीकी सिनेमाघरों में। पोस्टर को देखते ही जान्हवी कपूर के प्रशंसक और अनुयायी बेहद उत्साहित हो उठे। एक यूजर ने लिखा, हे भगवान! क्या यह असली के लिए है? मैं उम्मीद कर रहा था कि यह फिल्म अभी भी बन रही है... लेकिन, इसे देखो! हमारी प्यारी बच्ची जान्हवी कपूर... वह नहीं चाहती थीं कि उनके प्रशंसक अब और इंतजार करें। इसलिए उन्होंने निर्माताओं से फिल्म को जल्द से जल्द रिलीज करने का अनुरोध किया होगा।पोस्टर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक अन्य यूजर ने लिखा, यह वही है जिसका हम कई दिनों से इंतजार कर रहे थे। फिल्म उलझ की रिलीज डेट। मैं सोचता हूं, आशा करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि इस बार फिल्म की रिलीज डेट किसी भी कीमत पर टलनी नहीं चाहिए। हममें से काफी लोग जान्हवी कपूर को फिल्म में देखने का इंतजार कर रहे हैं। इससे बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता।फिल्म उलझ का निर्देशन सुधांशु सरिया ने किया है। वहीं, विनीत जैन इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी एक युवा डिप्लोमैट सुहाना (जान्हवी कपूर) के इर्द–गिर्द घूमती है। यह फिल्म सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर होने वाली है। फिल्म के ज्यादातर सीन विदेशी धरती पर फिल्माए गए हैं, जिसकी झलक भी टीजर में देखी जा चुकी है। जानकारी हो की बॉक्स ऑफिस पर उलझ की भिड़ंत अजय देवगन की फिल्म औरों में कहा दम था से होगी।

टी20 और वनडे सीरीज के शेड्यूल में हुआ बदलाव,

नई दिल्ली। जुलाई के आखिरी सप्ताह में भारतीय टीम श्रीलंका का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 3 टी20 इंटरनेशनल और 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पहले ही इस दौरे का शेड्यूल जारी कर दिया था। अब इस शेड्यूल में बलदाव किया गया है। टी20 सीरीज की शुरुआत 27 जुलाई से होगी और आखिरी मैच 30 जुलाई को खेला जाएगा। इसके बाद 2 अगस्त से वनडे सीरीज का आगाज होगा और यह 7 अगस्त तक चलेगी। दोनों ही सीरीज के लिए अब तक भारतीय टीम का एलान नहीं हुआ है।

26 जुलाई से शुरू होनी थी सीरीज

पहले टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 26 जुलाई को, दूसरा मैच 27 जुलाई को और आखिरी मैच 29 जुलाई को खेला जाना था। अब पहला टी20 27 जुलाई को दूसरा 28 जुलाई को और आखिरी टी20 30 जुलाई को खेला जाएगा।

जायसवाल–गिल के बीच रिकॉर्ड साझेदारी, भारत ने जिम्बाब्वे को 10 विकेट से रौंदा

नई दिल्ली। भारत और जिम्बाब्वे के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज का चौथा मैच शनिवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 152 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने बिना कोई विकेट खोए 28 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर लिया और 10 विकेट से मैच जीता। यशस्वी जायसवाल भारत की जीत के हीरो रहे।

जिम्बाब्वे की अच्छी शुरुआत

मुकाबले की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी रही। सलामी बल्लेबाज वेस्ली मधेवेरे और तदिवानाशे मारुमनी ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। अभिषेक शर्मा ने इस पार्टनरशिप को तोड़ा। उन्होंने तदिवानाशे मारुमनी को अपना शिकार बनाया। तदिवानाशे मारुमनी ने 31 गेंदों पर 32 रन बनाए। इसके बाद टीम लगातार विकेट खोती चली गई।

खलील ने किए 2 शिकार

वेस्ली मधेवेरे ने 24 गेंदों पर 25 रन, ब्रायन बेनेट ने 9, जॉनाथन कैंपबेल ने 3 रन, कप्तान सिकंदर रजा ने 28 गेंदों पर 46 रन, डायोन मायर्स ने 12 और क्लाइव मदांडे ने 7 रन बनाए। फराज अकरम 4 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से खलील अहमद ने 2 शिकार किए। उनके अलावा तुषार देशपांडे, वॉशिंगटन सुंदर, अभिषेक शर्मा और शिवम दुबे ने 1–1 विकेट झटका।

मास महाराजा रवि तेजा की फिल्म मिस्टर बच्चन का पहला सिंगल सितार हुआ रिलीज

नर्देशक हरीश शंकर को संगीत का अच्छा अनुभव है और उनकी अधिकांश फ़िल्में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने से पहले ही म्यूजिक़ल हिट हो जाती थीं। इसी तरह, मास महाराजा रवि तेजा अभिनीत उनकी नई फ़िल्म मिस्टर बच्चन में भी अलग–अलग शैलियों का एक एल्बम होगा। प्रोमो के साथ टीज़ करने के बाद, निर्माता पहले सिंगल– सितार के लिरिकल के साथ आए हैं।

सुब्रमण्यम फ़ॉर सेल और गड्डालकोंडा गणेश के बाद, मिकी जे मेयर ने फिर से हरीश शंकर के साथ मिलकर काम किया है। सितार की आवाज़ से शुरू होने वाला यह गाना जादुई बीट्स के साथ एक बेहतरीन क्लासिकल नंबर है। दो चार्टबस्टर्स केवु केका और असमिका योग के बाद, हरीश और गीतकार साहिथी की जोड़ी इस गाने के लिए फिर से साथ आई है जिसके बोल मंत्रमुग्ध कर देने वाले हैं।

अर्थ की तरह ही, ट्रैक को दिए गए शब्द भी रत्न हैं, जो साकेत कोमांदुरी और समीरा भारद्वाज की आवाज़ों में शानदार ढंग से चमकते हैं। साथ ही, चारुलता मणि का क्लासिक राग वास्तव में क्लासिकल है। हरीश शंकर ने अपना टच दिया, क्योंकि बैक पॉकेट और हिप मूव्स बहुत आकर्षक थे। रवि तेजा स्टाइलिश पोशाक में युवा और आकर्षक दिखाई दिए, जबकि भाग्यश्री बोरसे एक ग्लैमरस दिवा की तरह दिखीं। दोनों की केमिस्ट्री आकर्षक और शानदार थी। रवि तेजा के नृत्य सुंदर थे, जबकि भाग्यश्री ने अपने आकर्षक मूव्स से मंत्रमुग्ध कर दिया। शेखर मास्टर ने अपनी शानदार कोरियोग्राफी से दृश्यों में भव्यता ला दी। अयंका बोस द्वारा कैप्चर किए गए दृश्य बहुत जीवंत और शानदार थे। उन्होंने कश्मीर घाटी के विदेशी स्थानों को बहुत आकर्षक ढंग से दिखाया। सितार एक त्वरित हिट है और जब हम इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे तो यह गीत और भी आकर्षक लगेगा।

बॉक्स ऑफिस पर किल की संघर्ष जारी, 10 करोड़ रुपये की ओर कारोबार

लक्ष्य लालवानी ने फिल्म किल से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बतौर एक्टर डेब्यू किया है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से सराहना मिली है। 5 जुलाई को फिल्म किल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों और समीक्षकों से सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली। यही वजह है कि कल्कि की आंधी में भी यह सिनेमाघरों में डटी हुई है और टिकट खिडक़ी पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है।1 करोड़ 25 लाख रुपये से इसने अपना खाता खोला था और रिलीज के छठे दिन इसने 1 करोड़ 2 लाख रुपये बटोरे। इसी के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसकी कमाई 9.95 करोड़ रुपये हो गई है।

दिल्ली कैपिटल्स का नया हेड कोच कौन होगा? सौरव गांगुली ने कर दिया नाम का खुलासा

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। टीम प्लेऑफ में भी जगह नहीं बना पाई थी। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग से नाता तोड़ लिया। उन्हें 2018 में दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया था। फ्रेंचाइजी ने 2020 में एक बार फाइनल के लिए क्वालीफाई कर पाई थी। फाइनल में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली को हराया था। सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच होंगे।

पोंटिंग का अनुबंध समाप्त हो गया

दिल्ली कैपिटल्स के सह–मालिक पार्थ जिंदल ने पिछले आईपीएल के बाद बदलाव के संकेत दिए थे। मेगा ऑक्शन को ध्यान में रखते हुए यह सिर्फ शुरुआत हो सकती है। पोंटिंग का अनुबंध समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि वह मुख्य कोच के रूप में काम नहीं करेंगे। ऐसे में गांगुली अब इस पद को संभालेंगे।

सौरव गांगुली संभालेंगे कमान

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गांगुली ने कहा, मुझे कढछ 2025 के लिए प्लान बनाना होगा। मैं एक बार दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल जीतना चाहता हूं। मेगा ऑक्शन अगले साल है और इसलिए मैंने अभी से योजना बनाना शुरू कर दिया है। रिकी पोंटिंग दिल्ली कैपिटल्स के कोच नहीं होंगे। मुझे फ्रेंचाइजी से बात करनी है और उनसे भारतीय कोचों पर नजर डालने के लिए कहना है। मैं मुख्य कोच बनूंगा।

एक नजर

मेडिसिन बाल थ्रो प्रतियोगिता में करन व सचिन रहे अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा के श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज दिउला पौखाल में शनिवार को पौखाल न्याय पंचायत के समस्त विद्यालयों के छात्रों के लिए मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना 2024 के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का बखूबी प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का आरंभ प्रधानाचार्य प्रदीप बिष्ट और संकुल प्रभारी सुनील पंवार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान आयोजित मेडिसिन बाल थ्रो प्रतियोगिता में करन व सचिन, स्टैंडिंग ब्रोड जंप में सचिन व सूजल व फारबैंड रिच में अंकिता व सुहानी क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान पर रहे। इस दौरान हेमलता खंतवाल, ललिता उनियाल व विनोद काला आदि शिक्षकों सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

शहीदों की याद में कैंडल मार्च आज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जम्मू कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमले में देश के लिए अपना सवोच्च बलिदान देने वाले जवानों की स्मृति में रविवार को पूर्व सैनिक संघर्ष समिति की ओर से शहर में कैंडल मार्च निकाला जायेगा। यह जानकारी देते हुए समिति अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत ने दी। कहा कि देश की रक्षा के लिए शहीद जवानों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : थलीसैंण पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गत शुक्रवार को स्थानीय निवासी एक व्यक्ति ने थाना थलीसैंण में शिकायत दर्ज कराई थी। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि बीते शुक्रवार को थलीसैंण थाना क्षेत्र के एक स्थानीय निवासी ने थाना थलीसैण में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि एक युवक ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ डरा-धमका कर दुष्कर्म किया है। जिस पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। बताया कि शिकायत मिलते ही थानाध्यक्ष थलीसैंण को तत्काल टीम गठित करते हुए जल्द आरोपी को पकड़ने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने बताया कि शनिवार को पुलिस ने आरोपी को चोरखिंडा रोड थलीसैंण से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। पुलिस टीम में थलीसैंण थानाध्यक्ष सुनील पंवार, महिला उपनिरीक्षक लक्ष्मी जोशी, कांस्टेबल विनोद नेगी, जसवंत सिंह, राकेश गुसांई, मनोज सिंह आदि शामिल रहे।

होमगार्ड प्रशिक्षुओं को बताएं यातायात के नियम

श्रीनगर गढ़वाल : यातायात पुलिस ने जिला प्रशिक्षण केंद्र होमगार्ड श्रीनगर के 47 होमगार्ड प्रशिक्षुओं को सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूक किया। श्रीनगर यातायात पुलिस के उपनिरीक्षक नीरज शर्मा ने होमगार्ड प्रशिक्षुओं को यातायात के नियमों के बारे में बताया। साथ ही उत्तराखंड ट्रैफिक आई ऐप, संशोधित मोटर वाहन अधिनियम, ई-चालान सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान होमगार्ड प्रशिक्षुओं से परिजनों और दोस्तों को यातायात नियमों का पालन करने व सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की मदद कर उनकी जान बचाते हुये एक अच्छे नागरिक बनने की भूमिका निभाने के लिये भी प्रोत्साहित किया गया। (एजेंसी)

महंगाई से लाल हुआ टमाटर, प्याज ने भी निकाले आंसू

कोटद्वार के बदरीनाथ मार्ग पर लगी सब्जी की दुकान

सब्जी	एक सप्ताह पूर्व के दाम	वर्तमान दाम
प्याज	50	70
आलू	30	50
टमाटर	50	120
लोकी	30	40
कद्दू	20	30
शिमला मिर्च	80	120
गोभी	30	40

वर्षाकाल में लगातार बढ़ रहे सब्जियों के दाम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वर्षाकाल में लगातार बढ़ रहे सब्जी के दामों ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है। टमाटर जहां 120 रुपये किलो पहुंच गया वहीं, प्याज भी 70 रुपये किलो बिक रहा है। बाजार में प्रतिदिन सब्जियों के दाम बढ़ रहे हैं। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी गरीब व सामान्य परिवारों को हो रही है। लोगों ने सरकार से महंगाई पर लगाम लगाने के लिए योजना बनाने की मांग की है। सब्जी के दाम बढ़ने के कारण आमजन को अपनी जेब ढीली करनी पड़ रही है। लगातार बढ़ रहे दामों ने रसोई का बजट बिगाड़कर रख दिया है। बाजार में प्रतिदिन सब्जियों के दाम बढ़ रहे है। सब्जी विक्रेता इसके पीछे का कारण बारिश में आवक कम होने से कीमतों में उछाल बता रहे हैं। लेकिन, इन बढ़ती हुई कीमतों ने शादी का आयोजन करने वालों की चिंता बढ़ा दी है। वहीं, गरीब व सामान्य परिवार के रसोई का बजट भी बिगड़ गया है। गृहणी सुनीता देवी, मुन्नी देवी ने बताया कि महंगाई में लगाम लगाने के लिए सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। महंगाई के कारण थाली से सब्जी का स्वाद ही गायब होता जा रहा है। सरकार को महंगाई पर लगाम लगाने के लिए योजना बनानी चाहिए।

शादी सीजन में बढ़ी मुश्किल

सब्जियों के दाम बढ़ने से शादी व अन्य शुभ कार्य संपन्न करवाने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। सब्जी के बढ़े हुए दामों से कार्यक्रम का बजट गड़बड़ा गया है। ऐसे में कई लोग सब्जी के लिए नजीबाबाद मंडी की दौड़ लगा रहे हैं। लेकिन, वहां भी सब्जी के बढ़े हुए दाम ही मिल रहे हैं। वहीं, आमजन भी सब्जी के दाम बढ़ने से कम मात्रा में ही सब्जी खरीद रहा है।

कांग्रेसियों ने मनाया उपचुनाव में जीत का जश्न

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बदरीनाथ और मंगलौर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत दर्ज करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया। इस मौके पर कांग्रेसियों ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की। शनिवार को मंडल मुख्यालय के कांग्रेस कार्यालय में बदरीनाथ व मंगलौर सीट पर उपचुनाव में जीत दर्ज करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनता में भाजपा के खिलाफ भारी असंतोष है। जिसको लोगों ने अपने वोट के द्वारा व्यक्त किया है। कहा कि इन दोनों विधानसभा सीटों पर जीत के बाद कार्यकर्ताओ में जोश है और आने वाले नगर निकाय चुनावों में कांग्रेस बड़े मार्जन से प्रदेश भर में जीत दर्ज करेगी। जश्न मनाने में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहित सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कोट विजयदर्शन बिष्ट, जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस युद्धवीर सिंह, प्रदेश सचिव कांग्रेस दीपक असवाल, महासचिव एनएसयूआई अंकित सुंद्रियाल, प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस संजना गुजराल, गोपाल नेगी, सोनू, आदि लोग मौजूद रहे।

29 जुलाई से लगेगी लोक अदालत

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : विधिक सेवा विधिक सहायता एवं अमृत महोत्सव अभियान के तहत शनिवार को सतपुली में लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में बताया। 29 जुलाई से 3 अगस्त तक लोक अदालत लगेगी। पीएलबी सतपुली पुष्पेंद्र राणा ने आर्थिक रूप से कमजोर, बुजुर्ग व असहाय लोगों को जानकारी देने के साथ ही उनका हाल भी जाना। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासी सुमित्रा देवी के घर जाकर उनका हालचाल पूछा और जल्द ही उनकी समस्या हल करने के लिए उच्च अधिकारियों से वार्ता कर समाधान करने का आश्वासन दिया।

उपचुनाव की जीत पर झूमी कांग्रेस, खूब हुई आतिशबाजी

उपचुनाव की जीत पर आतिशबाजी कर खुशी मनाते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : बद्रीनाथ व मंगलौर में हुए उपचुनाव में कांग्रेस की जीत पर कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त की है। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी करते हुए एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है। शनिवार को कार्यकर्त्ताओं ने कोटद्वार में बद्रीनाथ व मंगलौर सीट पर कांग्रेस की जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्त्ताओं ने आतिशबाजी करने के साथ ही एक-दूसरे को मिठाई भी खिलाई। वक्ताओं ने कहा कि विकास के बड़े-बड़े दावें कर सत्ता तक पहुंची भारतीय जनता पार्टी को जनता ने उपचुनाव में जवाब दिया है। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता परेशान हो चुकी है। निश्चित ही आने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। कार्यकर्त्ताओं व पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। कहा कि संगठन से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, गोपाल सिंह गुसाईं, लक्ष्मी सिंह रावत, प्रदीप नेगी, सूरज प्रसाद कांति, गब्बर सिंह रावत, राजा आर्य, नईम अहमद, रंजना रावत, रश्मि पटवाल, सुधा असवाल, विमलेश नेगी, गोपाल सिंह गुसाईं आदि मौजूद रहे।

पुल मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर दें विशेष ध्यान : डीएम

जिलाधिकारी डा. अशीष चौहान ने किया मालन पुल मरम्मत कार्य का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने मालन नदी पर पुल मरम्मत कार्य का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कहा कि जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े इसके लिए जल्द से जल्द पुल मरम्मत कार्य को पूर्ण करें।

शनिवार को कोटद्वार पहुंचे जिलाधिकारी ने मालन नदी पर बन रहे पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को जल्द से जल्द पुल मरम्मत का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कहा कि पुल धराशायी होने से कोटद्वार व भाबर की जनता प्रभावित हो रही है। ऐसे में बेहतर गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पुल मरम्मत कार्य पूर्ण करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

कोटद्वार में मालन पुल मरम्मत कार्य का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

उन्होंने अधिकारियों से पुल को लेकर हो रहे कार्य के बारे में भी जानकारी ली। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में पैथोलॉजी लैब का भी निरीक्षण किया। चिकित्सकों को डेंगू को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए। कहा कि वर्षाकाल में डेंगू के मरीज बढ़ने लगते हैं। ऐसे में मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकें इस पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने अस्पताल में फैली अव्यवस्थाओं में भी सुधार के सख्त निर्देश दिए। कहा कि बेस अस्पताल में अव्यवस्थाएं किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

धरा का अस्तित्व बचाने के लिए करना होगा संयुक्त प्रयास

● कोटद्वार में आयोजित ग्रीन पल्स सोसायटी के कार्यक्रम में बोले जिलाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने कहा कि बिना पर्यावरण संरक्षण हम धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। इसलिए हमें धरा के अस्तित्व को बचाने के लिए संयुक्त प्रयास करना होगा। उन्होंने बच्चों को प्लास्टिक से पर्यावरण पर पड़ने वाले नुकसान के बारे में भी बताया। कहा कि हमें प्लास्टिक के उपयोग को बंद करना ही होगा।

शनिवार को ग्रीन पल्स सोसायटी की ओर से शुरू किए गए आराध्या बीज बाल अभियान के शुभारंभ पर जिलाधिकारी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि हर वस्तु का कार्बन फुट प्रिंट होता है और प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने न्यूनतमवादी जीवनशैली अपनाने पर बल दिया, जिसमें हम अपनी आवश्यकताओं को कम करते हुए प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थों का उपयोग कम कर सकते हैं। लैंसडौन वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी नवीन चंद्र पंत ने औद्योगिक क्रांति के कारण पर्यावरण पर पड़ रहे असर के बारे में जानकारी दी। कहा कि धरा का अस्तित्व लंबे समय तक बना रहे, इसके लिए आज से ही प्रयास करने होंगे। सीड बाल अभियान को पर्यावरणीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि सीड बाल के जरिए एक समय में काफी स्थानों पर वनों को विकसित किया जा सकता है। वनाग्नि को पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक बताते हुए उन्होंने कहा कि जंगलों में लगने वाली आग से धरती की सतह राख हो जाती है व कई ऐसी प्रजातियां नष्ट हो जाती हैं, जो जीवन के लिए बेहद जरूरी हैं। कहा कि जंगलों में जितना आग लगेगी, धरा की आयु उतनी कम होती चली जाएगी। इस मौके पर नगर आयुक्त वैभव गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी, तहसीलदार दीक्षा उपाध्याय, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा. एम. कुशवाहा, टीजीसी वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष लक्ष्मी घिल्डियाल, प्रधानाचार्या नीना, ग्रीन पल्स संस्था के अध्यक्ष प्रमोद बंसल, उपाध्यक्ष परिणिता कंडवाल, डा. मोहन कुकरेती, दिग्विजय सिंह, मोहित कंडवाल, गणेश काला, योगेश जोशी सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी व स्कूल के बच्चे मौजूद रहे। संचालन सचिव प्रशांत कुकरेती ने किया।

आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते जिलाधिकारी

गुरिल्लाओं ने की मांगों पर जल्द कार्यवाही की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल गुरिल्ला संगठन ने गुरिल्लाओं की मांग पर कार्रवाई न होने पर उत्तराखंड शासन की अध्यक्षता में शीघ्र बैठक बुलाये जाने की मांग की है। पदाधिकारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्यवाही नहीं होती है तो उन्हें राज्य स्तर पर उग्र आंदोलन के लिये बाध्य होना पड़ेगा।गुरिल्ला संगठन के गढ़वाल प्रवक्ता अनिल भट्ट, जिलाध्यक्ष टिहरी दिनेश गैरौला, पौड़ी जिलाध्यक्ष मान सिंह नेगी ने मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा कि गुरिल्लाओं की मांगों को लम्बे समय से अनदेखा किया जा रहा है। कहा कि सीएम के स्तर या मुख्य सचिव की अध्यक्षता में शीघ्र समीक्षा बैठक बुलाई जाय। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि 20 दिसम्बर 2023 को मुख्यमंत्री ने एक बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को गुरिल्लों के समायोजन हेतु अपने-अपने विभागों की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे, किन्तु कई माह बाद भी विभागों ने कोई स्पष्ट रिपोर्ट सरकार को नहीं भेजी है। बैठक में मुख्यमंत्री ने समय-समय पर समीक्षा बैठक बुलाये जाने का भी निर्देश अधिकारियों को दिया था। लेकिन छह-सात महीने बीत जाने के बावजूद अभी एक भी समीक्षा बैठक नहीं हो पाई है जिससे गुरिल्लाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। पदाधिकारियों ने कहा कि 20 दिसम्बर की बैठक में हिम प्रहरी योजना सहित छूट गए कुछ अन्य बिंदुओं को भी शामिल करते हुए शीघ्र समीक्षा बैठक बुलाकर गुरिल्ला संगठन के पदाधिकारियों को भी शामिल किया जाय, ताकि बैठक में गुरिल्लों के पक्ष को भी सुना जा सके। (एजेंसी)

छात्रों की मदद को आगे आई टच यॉर सोल संस्था

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : टच यॉर सोल संस्था छात्रों की मदद के लिए आगे आई है। संस्था द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज क्यार्क के छात्रों को जूते और सेनेटरी वितरित किये गये। टच योर सोल संस्था के एरिया कोऑर्डिनेटर भानु प्रकाश बमराड़ा ने शनिवार को विद्यालय पहुंचकर छात्रों को सामग्री वितरित की। उन्होंने बताया कि स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं को आने वाले दिनों में ट्रैकसूट, यूनिफॉर्म, स्वेटर आदि सामग्री भी वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सक्षम लोगों को छात्रों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर टच योर सोल की निदेशक प्रीति चौधरी, स्कूल के प्रधानाचार्य अजय कुमार पंवार आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने आतिशबाजी कर मनाया जश्न

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : मंगलौर और बदरीनाथ विधानसभा के लिए हुए उपचुनाव में दोनों सीटों पर कांगेस के जीतने पर नगर पंचायत सतपुली बाजार में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया। कांग्रेसियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

शनिवार को सतपुली में जीत का जश्न मनाते हुए यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव विकास रावत ने कहा कि कांग्रेस ने दोनों सीटों पर बाजी मारकर भाजपा को चारों खाने चित किया है। यह जीत जनता व कार्यकर्ताओं की जीत है। इस अवसर पर उन्होंने मंगलौर से काजी निजामुद्दीन व बदरीनाथ से जीते प्रत्याशी लखपत बुटोला को बधाई दी। खुशी जाहिर करने वालों में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सुरजन सिंह रौतेला, जयदीप सिंह नेगी, मोहम्मद आलम, चन्द्रमोहन सिंह रावत, अमन रावत, किरण रौतेला, मीना लिंगवाल, रवि प्रधान आदि मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों ने सीखें राहत और बचाव के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जिले में दैवीय आपदा एवं किसी अप्रिय घटना के घटित होने के दौरान राहत व बचाव कार्य को लेकर पुलिस जवानों को प्रशिक्षण दिया गया। एसएसपी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि मानसून सीजन को लेकर सभी थानाध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्र के जवानों को राहत और बचाव कार्य का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए हैं। सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस जवानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

शनिवार को पुलिस लाइन में जवानों को आपदा यूनिट फायर सर्विस पौड़ी द्वारा नियुक्त पुलिस कार्मिकों को किसी भी प्रकार की आपदा एवं दुर्घटना, अग्नि दुर्घटना घटित होने पर स्ट्रेचर के माध्यम से या स्ट्रेचर उपलब्ध न होने की दशा में अन्य संसाधनों से स्ट्रेचर बनाकर घायलों को बाहर निकालना, प्राथमिक उपचार देना आदि का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही राहत एवं बचाव के दौरान प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों की जानकारी दी गई।

एक नजर

मंदिर निर्माण को लेकर तीर्थपुरोहितों ने किया प्रदर्शन

रूद्रप्रयाग : दिल्ली में केदारनाथ के प्रतीकात्मक मंदिर निर्माण को लेकर अब तीर्थपुरोहितों में उबाल आ गया है। शनिवार को आक्रोशित तीर्थपुरोहित एवं साधु संतों ने केदारनाथ धाम में विरोध प्रदर्शन कर इस फैसले को शीघ्र वापस लेने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों में साधु संतों के साथ ही केदारनाथ पहुंचे तीर्थयात्रियों ने भी आंदोलन को सहयोग दिया। धरना देने वालों में पूर्व केदारसभा अध्यक्ष किशन बगवाड़ी, तेज प्रकाश तिवारी, अंकुर शुक्ला, अनित शुक्ला, ओमपुरी, दीनमणि सहित बड़ी संख्या में तीर्थपुरोहित मौजूद थे। (एजेंसी)

होटल एसोसिएशन ने मंदिर निर्माण का किया विरोध

रूद्रप्रयाग : दिल्ली में केदारनाथ के प्रतीकात्मक मंदिर के शिलान्यास करने को लेकर केदारघाटी में विरोध मुखर होने लगा है। सीतापुर में शनिवार को केदारघाटी होटल एसोसिएशन ने विरोध करते हुए मंदिर का नाम परिवर्तित करने की मांग की है। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने कहा कि मंदिर का नाम केदारनाथ रखा गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

शनिवार को केदारघाटी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रेम गोस्वामी और सचिव नितिन जमलोकी के नेतृत्व में एसोसिएशन के सदस्यों ने सीतापुर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन करने वालों में संदीप रावत, लक्ष्मण गोस्वामी, रामलाल कुनियाल सहित कई लोग मौजूद थे। (एजेंसी)

राबाइंका में जल्द की जाए शिक्षकों की नियुक्ति

रूद्रप्रयाग : राजकीय बालिका इंटर कालेज में विभिन्न विषयों में रिक्त पदों को भरने सहित विद्यालय की अन्य समस्याओं को लेकर पीटीएस अध्यक्ष ने अधिकारियों को अवगत कराया। शिक्षकों के पदों को भरने के लिए शिक्षक-अभिभावक संघ ने शिक्षा मंत्री व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पत्र भेजा।पीटीए अध्यक्ष चंद्र प्रकाश समवाल ने कहा कि विद्यालय में लंबे समय से हिंदी, रसायन विज्ञान, गणित व इतिहास जैसे महत्वपूर्ण विषयों में प्रवक्ता नहीं है। जिससे यहां अध्ययनरत छात्राओं को दिक्कतें उठानी पड़ती है। विद्यालय में शिक्षकों के पदों को भरने के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से लंबे समय से पत्राचार किया जा रहा है। फिर भी कोई कार्रवाही होती नहीं दिख रही है। ऐसे में एक बार फिर शिक्षा मंत्री व अधिकारियों का ज्ञापन भेजकर कार्रवाई करने की मांग की गई है। (एजेंसी)

दून अस्पताल में दूसरे दिन भी अल्ट्रासाउंड नहीं, मायूस लौटे मरीज

देहरादून। दून अस्पताल की ओपीडी में शनिवार को दूसरे दिन भी अल्ट्रासाउंड नहीं हुए और मरीजों को बैरंग मायूस लौटना पड़ा। कई मरीजों ने एतराज जताया और हंगामा भी किया। शुक्रवार एवं शनिवार को निजी एजेंसी के डॉक्टर अभिषेक यादव छुट्टी पर रहे। वहीं, एचओडी डॉ. सौरभ सच्चर भी छुट्टी पर चल रहे हैं। जिससे रोजाना 60 से ज्यादा मरीज वापस लौट रहे हैं। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अवंतिका रमोला आईपीडी में अल्ट्रासाउंड कर रही है। प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना ने कहा कि सोमवार से दोनों जगह अल्ट्रासाउंड होंगे। पुरानी एजेंसी से कहा गया है कि वह जल्द रेडियोलॉजिस्ट भेजे।

कोरोनेशन में आया पानी, राहत मिली

कोरोनेशन अस्पताल में भूजल का स्तर गिर जाने के बाद अब नए पाइप डलवा दिए गए हैं और पानी की सप्लाई बहाल हो गई है। पीआरओ प्रमोद पंवार ने बताया कि नई बिल्डिंग एवं पुरानी बिल्डिंग में पानी सप्लाई हो रही है।

आईटीबीपी ने शहीद दिग्विजयपाल सिंह की शहादत को याद किया

देहरादून। आईटीबीपी सीमाद्वार में शनिवार को अमर शहीद दिग्विजयपाल सिंह को उनकी शहादत दिवस पर याद किया गया। उत्तरी सीमांत मुख्यालय के महानिरीक्षक संजय गुंज्याल ने देश सुरक्षा में शहीद दिग्विजयपाल सिंह की जानकारी दी। मालूम हो कि चीन सीमा पर वर्ष 2020 में आईटीबीपी के द्वितीय कमान अधिकारी दिग्विजयपाल सिंह शहीद हो गए थे।

23वीं वाहनी कैंप परिसर सीमाद्वार में आयोजित शहादत दिवस कार्यक्रम में शहीद अफसर के परिजन के प्रति आईटीबीपी ने संवेदनाएं व्यक्त की। महानिरीक्षक संजय गुंज्याल ने कहा कि शहीद आश्रित को उत्तराखंड सरकार की ओर से सरकारी नौकरी देने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए आईटीबीपी लगातार सरकार के संपर्क में है।

पुलिस ने पूछी बुजुर्गों की कुशलक्षेम

बुजुर्ग से जानकारी लेते हुए पुलिस कर्मी।

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल की यमकेश्वर व सतपुली पुलिस ने थाना क्षेत्र में अभियान चलाते हुए एकल बुजुर्गों व वरिष्ठ नागरिकों से संपर्क किया और कुशलक्षेम पूछी। पुलिस ने बुजुर्गों को हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।

अपने बीच पुलिस कर्मियों को पाकर बुजुर्ग खुद को और भी ज्यादा सुरक्षित महसूस करने लगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद में निवासरत एकल बुजुर्गों की कुशलक्षेम पूछने के साथ-साथ उनकी सहायता करने हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। जनपद स्तर पर चलाई जा रही इस मुहिम को जमीन पर उतारते हुए विभिन्न मजबूरियों के चलते अकेले रह रहे वरिष्ठ नागरिकों की खैर खबर लेने एवं उन्हें आवश्यकता अनुरुप उचित मदद देने के क्रम में शनिवार को थाना सतपुली व यमकेश्वर पुलिस टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्गों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी गयी व जिन बुजुर्गों को राशन की आवश्यकता थी उन्हें आवश्यकतानुसार राशन वितरित किया गया। साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया गया। पुलिस टीम द्वारा बुजुर्गों को अपना मोबाइल नम्बर व आपातकालीन नम्बर डायल-112 दिया गया, ताकि वे किसी भी तरह की परेशानी होने पर पुलिस को तुरन्त बुला सकें। घर में अकेले रह रहे बुजुर्गों पर पौड़ी पुलिस द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें अकेला समझ कर आपराधिक तत्व कोई वारदात कारित न कर सके व बुजुर्गों में भी सुरक्षा की भावना विकसित हो सके।

जरूरतमंदों को राशन किट बांटी

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह के निर्देश पर थाना पुलिस की ओर से जरूरतमंद दस परिवारों को राशन किट वितरित की गई। थानाध्यक्ष सतपुली दीपक तिवारी, एसआई सोहन लाल, हंस मित्र सतपुली पुष्पेंद्र राणा के द्वारा गरीब, जरूरतमंद असहाय लोगों के घर-घर जाकर राशन किट बांटी गई। इस अवसर पर पुलिस कर्मी संजय नेगी, चन्द्रमोहन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

अग्निवीर योजना सशक्त सेना की दिशा में क्रांतिकारी कदम है: गणेश जोशी

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शनिवार को बलवीर रोड स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि अग्निवीर योजना सशक्त सेना की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजनैतिक फायदे के लिए युवाओं को भ्रमित कर रही है। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना से देश को सक्षम सैनिक और सशक्त सेना मिलेगी जो भारत को समर्थ देश बनाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अग्निवीरों को सीआरपीएफ, सीआईएसएफ समेत केंद्रीय सुरक्षा बलों में 10 फीसदी आरक्षण देने की घोषणा की है। उन्होंने इस योजना की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना देशभर में मैरिट के आधार पर संचालित हो रही है। योग्यता एवं संगठनात्मक आवश्यकता के आधार पर 4 साल के बाद केंद्रीय, पारदर्शी एवं कड़ी प्रक्रिया के जरिए 25 प्रतिशत अग्निवीरों का चयन होगा तथा भर्ती प्रक्रिया में कोई भी बदलाव नहीं होगा। इसमें कठोर सैन्य प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना में 17 से 21 साल की उम्र के युवाओं को चार सालों के लिए भर्ती करने का प्रावधान है। जिसमें 25 प्रतिशत अग्निवीरों को अगले 15 सालों तक बनाए रखा जाएगा। उन्होंने कहा अग्निवीर जैसी योजना यूरोप, अमेरिका, चीन आदि तमाम देशों में लागू है और सेना के आधुनिकीकरण के लिए यह कदम जरूरी है। जोशी ने कहा कि कांग्रेस राजनैतिक लाभ के लिए इस योजना का दुष्प्रचार करना चाह रही थी लेकिन लोकसभा चुनावों में देश की जनता ने कांग्रेस को ही नकार दिया है।

जल्द सुधरेगी नगर की आंतरिक सड़कों की हालात

नई टिहरी : नई टिहरी नगर क्षेत्र की आंतरिक सड़कों के हालात जल्दी ही सुधरेंगे। लंबे समय से नगर की आतंरिक सड़क गड्ढों से युक्त है। जिसके चलते आम लोगों कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अब 7.76 करोड़ की लागत से नई टिहरी आंतिरक सड़कों का सुधारीकरण किया जायेगा। नगर पालिका नई टिहरी के प्रशासक एसडीएम संदीप कुमार ने बताया कि नगर क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में निरंतर सड़कों में बने गड्ढो के कारण आम लोगों की शिकायतें आ रही हैं। जिसे देखते हुए नगर की पालिका के अधीन व लोनिवि के अधीन सड़कों के सुधारीकरण के लिए 7.76 करोड़ की डीपीआर लोनिवि से बनवाई गई है। जिसे स्वीकृति के लिए शासन को भेजा गया है। जल्दी ही स्वीकृति मिलने के आसार हैं। स्वीकृति मिलने के बाद नगर की आंतरिक सड़कों का सुधारीकरण का काम तेजी से किया जायेगा।

महाराज ने कैलाश पर्वत के दर्शन प्वाइंट तक रैम्प बनाने का किया अनुरोध

महाराज ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से की मुलाकात

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून/नई दिल्ली : प्रदेश के लोक निर्माण एवं पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी से मुलाकात कर ओल्ड लिपुलेख दर्रे तक जाने वाले मोटर मार्ग के प्वाइंट जहां से कैलाश पर्वत के दर्शन होते हैं वहां तक रैम्प बनाने का अनुरोध किया है।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जयराम गडकरी से उनके मोतीलाल नेहरू रोड, नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान श्री मजाराज ने बताया कि ओल्ड लिपुलेख दर्रा पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केन्द्र है। यहाँ से पवित्र कैलाश पर्वत के दर्शन

अद्वितीय हैं और यह धार्मिक तथा पर्यटन दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी कि लिपुलेख दर्रे तक जाने वाले मोटर मार्ग के जिस प्वाइंट से कैलाश पर्वत के दर्शन होते हैं, उसके लगभग 200 मीटर पहले का रास्ता ऊबड़-खाबड़ और कठिन है, जिस कारण लोगों को यहाँ तक पहुँचने में भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए ओल्ड लिपुलेख दर्रे उस प्वाइंट तक जाने के लिए जहां से कैलाश पर्वत के दर्शन होते हैं वहां तक रैम्प बनाया जाये। श्री महाराज ने बताया कि उत्तराखण्ड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित गुंजी से ओम पर्वत तथा गुंजी से आदि कैलाश के मार्ग धार्मिक और साहसिक यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिए अति महत्वपूर्ण है। लेकिन वर्तमान में इन मार्गों पर शौचालयों की कमी होने के साथ-साथ माइलस्टोन भी नहीं हैं, जिस कारण पर्यटकों को स्वच्छता व दिशा निर्देशन में कई प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि शौचालयों की अनुपलब्धता से कई प्रकार की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्यायें उत्पन्न हो जाती हैं तथा माइलस्टोन न होने की वजह से लोग रास्ते से भ्रमित हो जाते हैं और यह पता नहीं चल पाता कि उन्होंने कितना मार्ग तय कर लिया है। इसलिए कैलाश आवागमन के मार्गों पर सार्वजनिक शौचालयों तथा माइलस्टोन के निर्माण के साथ ही ओल्ड लिपुलेख दर्रे के समीप रैम्प बनाये जाने को अधिकारियों को निर्देशित करें ताकि तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

ग्रामीण विकास मंत्री गणेश जोशी ने की पीएमजीएसवाई की समीक्षा

देहरादून। सूबे के ग्रामीण विकास मंत्री गणेश जोशी ने शनिवार को देहरादून के आईटी पार्क स्थित यूआरआरडीए कार्यालय में पीएमजीएसवाई की समीक्षा की। जिसमें मुख्य रूप से अधिकारियों के साथ बारिश के कारण बंद हुई सड़कों की समीक्षा की गई। बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गढ़वाल व कुमाऊं मंडल के चीफ इंजीनियर तथा प्रदेश के 53 पीआईओ और पीएएसयू भी जुड़े। बैठक के दौरान ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने आपदा में क्षतिग्रस्त सड़कों तथा बारिश के कारण बंद हुई सड़कों की विस्तार से जानकारी ली। मंत्री ने जनपदवार बरसात से बंद हुई सड़कों की संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और शीघ्रता से सड़क मार्ग खोलने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। मंत्री ने सड़क मार्गों को खोलने के कार्य तेजी से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सड़क कटान के दौरान मलवा को चिन्हित स्थान पर डंपिंग जोन का निर्माण कर मलवा को डंपिंग जोन में ही डाला जाए ताकि किसी की खेती को नुकसान न हो। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मलवा के कारण जलस्त्रोत बंद न हो, इसपर विशेष ध्यान दिया जाए। कटान के दौरान शेष मलवे से किसी काश्तकार का नुकसान होने पर संबंधित ठेकेदार की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने सड़क निर्माण या कटान के दौरान मलवा किसी भी हाल में बहार ने डाले यह सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री जोशी ने सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए सड़कों की गुणवत्ता और मरम्मत के कार्यों हेतु अधिकारी फील्ड में जाकर गुणवत्ता की जांच की जाए और संबंधित अधिकारी और ठेकेदार की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मुआवजे वितरण में आ रही अमीन कार्मिको की समस्या के संबंध अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस फ़ील्ड के एक्सपर्ट रिटायर्ड लोगों से संपर्क किया जाए।

मंदिर निर्माण में उत्तराखंड सरकार का कोई योगदान नहीं : पंवार

रूद्रप्रयाग : शनिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार ने कहा कि दिल्ली में केदारनाथ प्रतीकात्मक मंदिर का निर्माण एक निजी ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा है। जो केदारनाथ धाम का नहीं, बल्कि केदारनाथ मंदिर का निर्माण कर रही है। इस मंदिर के निर्माण में उत्तराखंड सरकार का कोई योगदान नहीं है।

प्रेस को जारी बयान में भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार ने कहा कि श्री केदारनाथ धाम ट्रस्ट की ओर से बनाए जा रहे केदारनाथ मंदिर का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण है। ट्रस्ट से जुड़े लोग सभी उत्तराखंड के निवासी हैं और देवभूमि की संस्कृति और परम्परा को आगे बढ़ाने के साथ ही सामाजिक और धार्मिक कार्य भी कर रहे हैं। केदारनाथ धाम रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है, यहां भगवान शंकर के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग की पूजा होती है। दिल्ली में बन रहा मंदिर सिर्फ प्रतिकात्मक है। इससे सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार तेजी के साथ होगा। (एजेंसी)

मेरी हिरूली क्नौडियों झुमके झुमेली गीत पर झूमे लोग

चमोली : कड़ाकोट पट्टी के नंदाधाम भारकोटबार भंगोटा में चल रहे नंदा महोत्सव के तीसरे दिन सांस्कृतिक मंच पर लोकगायक दर्शन फर्स्वाण की गायकी और महिला मंगल दलों के कार्यक्रम छाए रहे। रविवार को मां नंदा देवी को उनके ससुराल कैलाश के लिए विदा किया जाएगा। इस पल के साक्षी बनने के लिए ध्याणियों का नंदाधाम में पहुंचना शुरू हो गया है।नंदा महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को नंदाधाम भारकोटबार मंदिर में आचार्यों ने पंचांग पूजा करने के उपरांत सभी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इसके बाद श्रद्धालुओं ने अपनी आराध्या शैलपुत्री मां नंदा देवी के दर्शन व पूजा अर्चना कर भेंट चढ़ाई। इस दौरान नंदाधाम भारकोटबार जागर सम्राट बुद्धि सिंह दानू के जागर गीतों से गुंजायमान रहा। शनिवार को नंदा महोत्सव के तीसरे दिन के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत लोकगायक दर्शन फर्स्वाण ने अपने सुपरहिट नंदा जागर हे नंदा है गोरा, कैलाशों की जात्रा। (एजेंसी)

एसएसबी ने चलाया पौधरोपण अभियान

चमोली : सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा ग्वालदम स्थित परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया। अभियान के तहत संस्थान के परिसर में 2000 पौधे लगाए गए हैं। अभियान का संचालन उप महानिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप महानिरीक्षक ने पर्यावरण को बनाए रखने में पेड़ों के महत्व पर जोर दिया और सभी से पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। उन्होंने स्थानीय समुदाय को पौधरोपण अभियान में भाग लेने और पेड़ों के महत्व और उनके रखरखाव के बारे में जानने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष संस्थान द्वारा अभी तक 4300 पौधे लगाए हैं और वर्ष के अंत तक 8000 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, वृक्षारोपण अभियान संस्था की नियमित गतिविधि बनी रहेगी।

बिना स्वच्छता और सुरक्षा के स्वस्थ समाज की कल्पना असंभव: त्रिवेंद्र सिंह रावत

ऋषिकेश। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के गीतानगर केंद्र में शनिवार को गोष्ठी हुई। जिसमें आध्यात्मिक सशक्तिकरण से स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर डॉ. हरिओम प्रसाद और विवि की मुख्य प्रशासिका सुदेश दीदी ने संयुक्त रूप से किया। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि संस्था सुख, शांति, सुरक्षा हेतु वर्षों से कार्य कर रही है। जो सराहनीय है। कहा कि बिना स्वच्छता और सुरक्षा के स्वस्थ समाज की कल्पना असंभव है। डॉ. हरिओम प्रसाद ने कहा कि इस अध्यात्मिक केंद्र की विशेषता है कि एक ही शिक्षा पूरे विश्व में सभी को एक साथ पढ़ाई जाती है। आध्यात्मिक ज्ञान, योग व साधना से हमारे जीवन में परिवर्तन आता है। राजयोगिनी सुदेश दीदी ने कहा कि आज हर व्यक्ति तन की तंदुरुस्ती, मन की शांति चाहता है, परंतु अपनी बुद्धिहीनता के कारण पापाचार, भ्रष्टाचार व हिंसा में लिप्त है। हिंसा सिर्फ हथियार से नहीं बल्कि जुबान से भी होती है। मनुष्य बुरा कार्य अपने संस्कार अनुरूप स्वतः ही कर रहा है। आत्मा वह शक्ति है जो शरीर के माध्यम से कार्य कराती है, सत्यता में ही आनंद है, सुंदरता है। मौके पर ऋषिकेश सेंटर की प्रमुख संचालिका बीके आरती, भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा, सुशील,तनु तेवतिया, विजय बडोनी, राधा रमोला, विपिन पंत, कविता शाह, माधवी गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

दून घाटी को बचाने के लिए शुरु हुआ दून डायलॉग अभियान

देहरादून(आरएनएस)। दून घाटी के संरक्षण को लेकर कलेक्ट्रेट स्थित शहीद स्मारक में शनिवार को अमर–शहीदों को नमन कर दून डायलॉग अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत दून घाटी के वैभव को वापस पाने के लिए हर दून वासी से सुझाव लिए जाने का निर्णय लिया गया। दून घाटी जनसंघर्ष समिति ने उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी परिषद के साथ कचहरी स्थित शहीद स्मारक में कश्मीर में शहीद सैनिकों, राज्य आन्दोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित दून डायलॉग अभियान शुरू करने का ऐलान किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य दून घाटी का संरक्षण, घाटी को पहले की तरह बेहतर देहरादून के रूप में पुर्नस्थापित करने के लिए जन जागरण, जनता की समस्याओं व समाधान पर कार्य करना है। शहीद स्मारक में हुई सभा में दून घाटी जनसंघर्ष समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि दून की पुरानी चमक खो गई है। जो शहर लीची, बसंती चावल, चाय बागान के लिए जाना जाता था, वहां आज कूड़े के ढेर लगे हैं।

कांग्रेसियों ने उप चुनाव में जीत पर मनाया जश्न

नई टिहरी : नई टिहरी में शनिवार को बदरीनाथ और मंगलौर सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया। उन्होंने मिष्ठान वितरण करते हुए खुशी का इजहार किया। वक्ताओं ने कहा कि दल बदल की राजनीति करने वालों पर यह करारा तमाचा है। शनिवार को उत्तराखंड की बदरीनाथ सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला और मंगलौर सीट पर काजी निजामुद्दीन की शानदार जीत पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नई टिहरी के हनुमान चौराहे पर जश्न मनाया। उन्होंने आतिशबाजी और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। जिलाध्यक्ष राकेश राणा ने कहा कि बदरीनाथ मास्टर प्लान से पंडा समाज, जोशीमठ आपदा से स्थानीय लोग परेशान थे। बताया कि जनता ने अब भाजपा को सबक सिखा दिया है। इस मौके पर महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशा रावत, शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार, ममता उनियाल, विजय गुनसोला, देवेंद्र नौडियाल, आनंद सिंह बेलवाल, गंगा भगत नेगी, गब्बर सिंह रावत, नवीन सेमवाल, अनीता आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

नई टिहरी : धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने कार्यक्रम अधिकारी डा. संजय कुमार के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर हरेला उत्सव मनाया क अभियान का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार उभान ने करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए यह अभियान अहम है। इस मौके पर डॉ. सपना कश्यप, डॉ. सुधा रानी, डॉ. राजपाल रावत, डॉ. बीपी पोखरियाल, डॉ. देवेंद्र कुमार, डॉ. विजय प्रकाश, डॉ. सोनी तिलरा, डॉ. विक्रम सिंह बर्तवाल, सुरबीर दास, लक्ष्मी कैंठेत, अजय, भूपेंद्र, गणेश चन्द्र पाण्डेय, नितिन शर्मा, विशाल त्यागी, रचना, रंजना, रमेश पुंडीर, मनीष सहित स्वंय सेवियों में अमन, सुनीता थापा, अदित्या, यश, अमित, सुमित, स्वेता आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

16 जुलाई को पौधरोपण करेंगे भाजपाई

ऋषिकेश। भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र राणा ने कहा कि हरेला पर्व के उपलक्ष्य में ऋषिकेश विधानसभा में एक हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके लिए 16 जुलाई को पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। हरेला पर्व पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन का एक बहुत ही खूबसूरत त्योहार है। जो पृथ्वी को हरा भरा बनाने के लिए प्रेरित करता है ' यह त्योहार उत्तराखंड में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। जल्द ही पूरा विश्व इस पर्व को मनाएगा ' कह कि इस कार्यक्रम के संयोजक राजेन्द्र तड़ियाल एव सह संयोजक गणेश सिंह रावत बनाए गए हैं 'भाजपा भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री राजेंद्र सिंह तडियाल ने हरेला पर्व पर डोईवाला विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा 1000 पेड़ लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया।

कैंसर से बचाव को जनजागरूकता अभियान चलाएं: राज्यपाल

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में शनिवार को यूरोलॉजिकल कैंसर विषय पर जनजागरूकता के उद्देश्य से क्लोज द केयर गैप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि कैंसर से जुड़ी विभिन्न बीमारियां मानव जीवन के लिए खतरा हैं। चिकित्सकों को चाहिए कि वह इस चुनौती के लिए आम जनमानस को भी जागरूक करें। राज्यपाल ने यूरोलॉजिकल कैंसर के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने के लिए हिंदी और अंग्रेजी में लिखी पुस्तक का विमोचन व हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया।शनिवार को संस्थान के मुख्य सभागार में यूरोलॉजिकल कैंसर विषय पर आधारित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि राज्यपाल और एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने शुभारंभ किया। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में मूत्र रोग से संबंधित कैंसर के रोगी ज्यादा बढ़ रहे हैं और कैंसर से जुड़ी यह बीमारियां आधुनिक चिकित्सा पद्धति के सम्मुख एक चुनौती के रूप में है। इस प्रकार की घातक बीमारियों का निदान तभी संभव होगा जब प्रत्येक व्यक्ति इन बीमारियों के लक्षण व समय पर अस्पताल जाकर उपचार कराने के लिए जागरूक होगा। राज्यपाल ने चिकित्सकों सहित समाज की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं से आह्वान किया कि यूरोलॉजिकल कैंसर जागरूकता को लेकर वह सामूहिक रूप से वृहद मुहिम शुरू करें। उन्होंने कहा कि बीमारी से बचाव ही सबसे अच्छा इलाज है, लिहाजा हमें कैंसर जैसी बीमारियों के प्रति जागरूक होना होगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469 / 79
फोन / फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com